Regarding need to ensure easy availability of medicines for treatment of Duchenne Muscular Dystrophy at affordable prices in the country-Laid

श्री राजेश वर्मा **(**खगड़िया**) :**मैं सरकार से ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी(DMD) जैसी दुर्लभ और गंभीर बीमारी से पीड़ित बच्चों और उनके परिवारों की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ । यह एक अनुवांशिक तंत्रिका-मांसपेशीय रोग है, जो छोटे बच्चों को प्रभावित करता है और समय के साथ उनकी मांसपेशियों को इतना कमजोर बना देता है कि वे चलने-फिरने में भी असमर्थ हो जाते हैं । DMD का वर्तमान उपचार अत्यंत सीमित और अत्यधिक महंगा है । इसका इलाज भारत में उपलब्ध नहीं है और अधिकतर दवाएं विदेशों से आयातित होती हैं, जिनकी कीमत 2 से 3 करोड़ रुपये प्रति बच्चा प्रति वर्ष तक होती है । इतनी ऊंची लागत के कारण आम और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए इस बीमारी का इलाज करना लगभग असंभव हो जाता है । यह केवल एक चिकित्सा समस्या नहीं, बल्कि एक सामाजिक और मानवीय संकट भी है ।मैं सरकार से मांग करता हूँ कि DMD जैसी दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए दवाओं की कीमतों को नियंत्रित किया जाए । इन दवाओं के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए ?मेक इन इंडिया? के तहत स्थानीय फार्मा कंपनियों को प्रोत्साहित किया जाए । जन औषधि केंद्रों और अन्य सरकारी योजनाओं के माध्यम से इन जीवनरक्षक दवाओं की सुलभता सुनिश्चित की जाए ।